DR. RAM KRIPAL SINHA: I am coming to that. Sir, he says that the Government are trying to foist a particular trade union. This is totally wrong. There is nothing like that. Of course, the labour situation is fluid and a large number of workers are changing their alignments.

(*Interruptions*)

SHRI YASHPAL KAPUR: Sir, I challenge the statement of the Minister. I can prove here and now that they are hoisting their unions in UP. The management of the I.D.P.L. in Rishikesh has been asked by the Registrar of trade unions, U.P. to recognise the Bhartiya Mazdoor Sangh unions, whereas the I.N.T.U.C. is still in majority there.

DR. RAM KRIPAL SINHA: I am not yielding.

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order please.

DR. RAM KRIPAL SINHA: Sir, I can assure the hon. Member that so far as these allegations are concerned and so far as the prevalence of the atmosphere of terror is concerned, all this is wrong. We do not believe in the atmosphere of terror. The law and order machinery is taking care in Faridabad. As far as the use of the police is concerned, the hon. Member has said that the police is used for partisan purposes. There is no basis for it. As far as the question of calling of a meeting of trade union leaders and representatives of the managements is concerned, the appropriate authority to be approached in this case is the Government of Haryana and if our good offices are required, we may provide our good offices but the thing will have to be tackled by the Government of Haryana

श्री भोला प्रसाद : क्या यह सही है कि फरीदाबाद की घटना यह साबित करती है कि पुलिस ने निष्पक्षता से काम किया है ?

No reply

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Lokpal Bill, v977

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have t6 report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary of the Lok Sabha:

'I am directed to inform Rajya Sabha that Lok Sabha, at its sitting held on the 20th February, 1978, has adopted the following motion further extending the time for presentation of the Report of the Joint Committee of the Houses on the Lokpal Bill, 1977:—

MOTION

'That this House do further extend upto the last day of the present Budget Session, the time for presentation of the Report of the Joint Committee on the Bill to provide for the appointment of a Lokpal to inquire into allegations of misconduct against public men and for matters connected therewith.' ".

REFERENCE TO ALLEGED DISRESPECT SHOWN TO SHRI JAGJIVAN RAM AT VARANASI

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं एक गम्भीर घटना की ओर सदन का और देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । 24 जनवरी 1978 को वाराणसी में बाबू जगजीवन राम जी को स्वर्गीय सम्पूर्णानन्द जी की मूर्ति का अनावरण करने के लिये आमंत्रित किया गया था । बाबू जगजीवन राम जी जब मूर्ति का अनावरण कर रहे थे उसी समय वहां इंदिरा कांग्रेस के लोगों ने . . .

श्री यशपाल कपूर (उत्तर प्रदेश) : गलत । गलत ।

श्री सुलतान सिंह (हरियाणा) : सच बोलिये। जनता पार्टी के लोगों ने यह किया था।

(*Interruptions*)

SHRI PIARE LALL KUREEL URF PIARE LALL TALIB (Uttar Pradesh): It is absolutely wrong, Sir. (*Interruptions*). He should be ashamed of saying so. These words should be withdrawn.

(*Interruptions*)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : इन्दिरा कांग्रेस के लोगों ने बाबू जगजीवन राम मुर्दाबाद के नारे लगाये और बाबू जगजीवन राम और वहां उपस्थित सभी हरिजनों का अनादर किया।

(*Interruptions*)

SHRI PIARE LALL KUREEL URF PIARE LALL TALIB: I am not going to allow him to say this. No, you cannot proceed. (*Interruptions*). Sir, I request you that such remarks should not be allowed to go on record. This is the height of stupidity; this is the height of absurdity. (*Interruptions*), Sir, you should not allow such remarks. They should be withdrawn I request the hon. Member to sit down. This is a travesty of truth.

श्री उपसभापति : इस समय एक बहुत गम्भीर मसले पर विचार किया जा रहा है। (*Interruptions*) आप शांत रहिये। आर्डर प्लीज (*Interruptions*) शांत रहिये। मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि इस विषय की अहमियत को देखते हुए यह इजाजत दी गयी है कि इस का उल्लेख सदन में किया जाय। तो इस को आप विवाद में न डालें और इस की गम्भीरता को बनाये रखने की कोशिश करें। यही आप से निवेदन है।

SHRI PIARE LALL KUREEL URF PIARE LALL TALIB: As if he was present there.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : उपरोक्त सारी कार्यवाही उस विश्वविद्यालय के उपकुलपति पं० करुणापति त्रिपाठी और जिला अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। श्रीमन्, इन लोगों ने जो कहा या जो कार्य किये उन में संस्कृत विश्वविद्यालय के अधिकारी और विद्यार्थी भी सम्मिलित थे। इस के बाद श्रीमन्, जैसा कि हमारे दोस्त लोग यहां शोर-शराबा कर रहे हैं, मैं उस में नहीं जाना चाहता, लेकिन उस के सबूत में एक शब्द जरूर कहना चाहता हूं कि उस के कुछ दिनों बाद उस दल का एक सम्मेलन वहां हुआ था। उस सम्मेलन में माननीय श्याम लाल जी ने उन लोगों को इस कार्य के लिये फटकार सुनायी और उन लोगों ने माननीय श्याम लाल जी को बोलने नहीं दिया। यह इस बात का सबूत है कि किन लोगों ने यह कार्य किया। लेकिन मैं उस विवाद में नहीं जाना चाहता। श्रीमन्, उस के बाद, उस के विरोध में माननीय रामधनजी ने एक अपील निकाली कि 15 फरवरी को पूरे देश में इस घटना के विरोध में जलूस निकाले जायं और सभायें की जाय। 16 फरवरी की घटना है देवरिया की। हरिजन छात्रों ने और हरिजनों ने जलूस निकाला वहां उस घटना के विरोध में। गोरखपुर में भी जलूस निकल रहा था। गोरखपुर में जलूस पर ही हमला किया गया और देवरिया में छात्रावासों को जला दिया गया। वहां पर तीन हरिजन छात्रावास हैं। जगजीवन राम छात्रावास, डा० अम्बेदकर छात्रावास और चन्द्रलोक छात्रावास। तीनों छात्रावासों में केवल हरिजन विद्यार्थी रहते हैं। 15 तारीख को इन विद्यार्थियों ने जलूस निकाला। 16 तारीख को दो हजार मजबूत लोगों का जलूस निकला, आप फिर ऐतराज करेंगे, मगर मैं कहना चाहता हूं, आपको चैलेंज करता हूं कि आप मेरे साथ चलें और वहां जांच करें।

(*Interruptions*)

श्री सुलतान सिंह : ये सारी साजिश थी।

(*Interruptions*)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : दो हजार का जलूस निकाला गया और तीनों छात्रावासों के छात्रों पर हमला किया गया । जाते ही पहले वहां हरिजन विद्यार्थियों को पीटा गया । ये इंदिरा कांग्रेस के लोग थे ।

SHRI PIARE LALL KUREEL URF PIARE LALL TALIB: I will not allow him to speak after making the remarks against Indira's workers which are all lies.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, आप देख लीजिए... (*Interruptions*) ये इंदिरा कांग्रेस है । 16 तारीख को तीनों छात्रावासों के विद्यार्थियों को बुरी तरह से पीटा और पीटने के बाद उनका सारा सामान, उनकी किताबें, उनका बिस्तर कमरों से निकाल लिया और निकाल कर उनकी होली जला दी । इसके बाद पूरे होस्टल को जला दिया... (*Interruptions*) यह घटना जो इस तरह की हुई । जो लोग हरिजनों के प्रति दर्द जाहिर करते हैं उनके द्वारा, उनके कार्यकर्त्ताओं के द्वारा इस तरह की घटना हुई । तीन-तीन होस्टल जला दिये गये । तीनों होस्टलों के विद्यार्थियों को पीटा गया ।

(*Interruptions*)

श्री रणबीर सिंह (हरियाणा) : शर्म की बात है । (*Interruptions*)

श्री प्यारे लाल कुरील उर्फ तालिब : ऐसा कभी नहीं हुआ । इंदिरा की रिजीम में ऐसा नहीं हुआ । अब हो रहा है । अब हो रहा है । अब हो रहा है ।...

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं कहना चाहता हूं कि उनके लिए आज खतरा उपस्थित हो गया है । उनको सड़क पर चलने में भी खतरा महसूस हो रहा है । मैं दो मांगें करता हूं । एक तो संसदीय कमेटी वहां जाकर जांच करे ।

(*Interruptions*)

श्री यशपाल कपूर : वहां पर लोग जिन्दा जलाये जा रहे हैं आप संघियों के गले मिल रहे है । संघियों से, शर्म करो । सोशलिस्टों डा० लोहिया की आत्मा तड़प रही है ।

(*Interruptions*)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : हरिजनों के साथ किस तरह से अन्याय करते हो...

श्री यशपाल कपूर : यह सब चुनाव के लिए किया जा रहा है । चुनाव के लिए इस सदन को माध्यम बनाया जा रहा है ।

(*Interruptions*)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : अभी संसदीय समिति जांच करे कि कौन इस घटना के लिए जिम्मेदार है ।

श्री प्यारे लाल कुरील उर्फ तालिब : आप इस तरह इलेक्शन नहीं जीत सकते ।

श्री यशपाल कपूर : बेलची की इंक्वायरी रिपोर्ट नहीं आई ।

(*Interruptions*)

श्री उपसभापति : कृपया शांत रहिये । (*Interruptions*) मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि शांति रखें (*Interruptions*)

Order please. I am on my legs.

श्री यशपाल कपूर : अगर आप इस तरह से एलीगेशन लगाने देंगे तो हम इस हाउस को चलने नहीं देंगे ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं चैलेंज करता हूं कि अगर सदन के माननीय सदस्यों की कमेटी बनाई जाएगी इस जांच के लिये तो सब साफ हो जाएगा ।

(*Interruptions*)

SHRI PIARE LALL KUREEL URF PIARE LALL TALIB: Delete that portion from the record where he has

said that Congress(I) workers did this. It is a deliberate attempt to defame us.

श्री उपसभापति : मैं निवेदन करूंगा कि जिस प्रकार से सदन की प्रक्रिया चलनी चाहिये उसी तरह से शांतिपूर्ण तरीके से चलाइये। जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी थोड़े समय पहले हुआ, इसकी भर्त्सना किये बगैर नहीं रह सकते। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहना चाहूंगा। माननीय सदस्य बुजुर्ग सदस्य है। इससे ज्यादा कहना न मैं उचित समझता हूं और न उस पर कोई कार्रवाई करना उचित समझता हूं। इसकी गम्भीरता उन पर और आप सब पर कुछ असर करे यह मैं आपसे निवेदन करूंगा।

श्री हर्षदेव मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उनसे क्षमा मंगवाइये।

श्री उपसभापति : अगर कोई ऐसी बात कही जाती है जिसे माननीय सदस्य गलत समझते हैं तो उस पर एतराज उठा सकते हैं और उसके उठाने के तरीके हैं।

श्री रणबीर सिंह : गला पकड़ना तरीका नहीं है।

श्री उपसभापति : इस प्रकार से सदन की कार्रवाई में व्यवधान डालना उचित नहीं है। आपकी नाराजगी को प्रकट करने का सदन की प्रक्रिया के अनुसार अवसर मिल सकता है।

SHRI JAGJIT SINGH ANAND (Punjab): But there should be some time control also. Two or three minutes should do for a mention. He has taken twenty minutes.

श्री प्रभु सिंह (हरियाणा) : डिप्टी चेयरमैन साहब, मुझे हाउस में आए हुए तीन साल हो गये आज मैं पहले दिन ही बोल रहा हूं। इससे पहले मैं कभी नहीं बोला हूं और न बोलने की जरूरत ही समझी है। मगर इस शर्मनाक घटना को देखते हुए सब्र का पैमाना लबरेज हो चुका है। गांधी जी ने जातिविहीन समाज बनाने के लिये नारा लगाया था और बाबा साहब ने कांस्टीट्यूशन बनाकर समान अधिकार देने की बात कही थी। सिविल राइट्स प्रोटैक्शन एक्ट भी बना और उसको लागू करने का हुकम भी हुआ। मगर वह प्रोटैक्शन एक्ट और अनटचेबिलिटी एक्ट बोलाए ताक रख दिये गये।

वाराणसी की शर्मनाक घटना को देख कर इस हाउस में जितने भी मैम्बर हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों सब को दुःख है। गंगाजल से मूर्ति को साफ करना, पवित्र करना क्या हम सब के लिये शर्मनाक बात नहीं है। क्या सदस्यगण इस चीज को महसूस नहीं करते कि वर्ल्ड में सिर ऊंचा करके संसार के लोग यह समझेंगे कि यह जातिवाद वहीं खड़ा है जहां आज से 400 साल पहले खड़ा था। मैं एक बात कहता हूं कि ज्यों-ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता गया। कुछ भाई किसी का नाम लेते हैं और कुछ भाई किसी का। मैं कुछ फिराकदिली से, खुले दिल से कहता हूं कि यह वाराणसी में जो कुछ हुआ उसके जिम्मेदार कौन हैं। जिम्मेदार आज की सरकार है। उत्तर प्रदेश की सरकार चुप है, केन्द्र की सरकार भी चुप है। किसी नेता ने अभी तक न कोई स्टेटमट दिया और न कोई कार्रवाई की। मुझे बहुत दुःख के साथ इस बात को जाहिर करना है कि मैं जनता सरकार का समर्थक हूं, जनता सरकार का मैम्बर हूं। मगर जनता सरकार में बोलते हुए इस वक्त पुराने दास्ताने गम को शुरू करना कि कल कहां था और परसों कहां था आज इस देश के हरिजन और अछूत इस बात से तसल्ली खाने वाले नहीं हैं। आज इस देश के हरिजनों के साथ क्या व्यवहार हो रहा है उसके संबंध में हमारी वर्तमान सरकार भी मांग करती है और

[श्री प्रभु सिंह]

बाकी हमारे माननीय सदस्य भी करते है। मैं समझता हूं कि माननीय सदस्य चाहे किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों, हरिजन समाज का मसला, छुआछूत निवारण का मसला किसी राजनीतिक पार्टी से ताल्लुक नहीं रखता है । यह एक सामाजिक समस्या है और सामाजिक उद्धार का मसला है और अब तक हम लोग इस मामले को ऊपर उठाते रहे हैं। कभी कोई उठाता रहा तो कभी कोई दूसरा आदमी इसको ऊपर उठाता रहा है । श्री सम्पूर्णानन्द जी की मूर्ति को गंगाजल से पवित्र करने का जो तरीका अपनाया गया है, उसके लिये मैं सीधे तौर पर कहूंगा कि आज की हमारी सरकार भी जिम्मेदार है । किसी ने कहा कि इंदिरा जी के वर्करों ने यह किया । इससे साफ जाहिर होता है कि अगर चीफ मिनिस्टर वहां पर मौजूद थे और अगर मूर्ति के अनावरण के बाद उसको गंगा जल से धुलाया गया तो इसके लिए यह सरकार भी जिम्मेवार है । मैं समझता हूं कि इस सरकार के जिलाधीश और पुलिस अधीक्षक भी वहां होंगे, सरकार के चीफ मिनिस्टर भी होंगे । ऐसी स्थिति में इस प्रकार की घटना क्यों हो गई, इसके लिये यह सरकार भी जिम्मेवार है । यह इस सरकार की कमजोरी है कि इंदिरा जी के 10 वर्कर या 500 वर्कर वहां पर पुलिस के होते हुए, जिलाधीश के होते हुए और चीफ मिनिस्टर के होते हुए, उनको गिरफ्तार नहीं कर सके .... *(Interruptions)* मैं समझता हूं कि इन संबंध में आपका भी तजुर्बा है और हमारा भी तजुर्बा है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि हमें इस हाउस का संतुलन कायम रखना चाहिए । हम सभी इस सदन के सदस्य हैं । हमें इस समस्या पर गहराई से विचार करना चाहिए । यह समस्या समाज सुधार की समस्या है । भाई यशपाल कपूरजी ने बड़े जोरों से नारा लगाया । उपसभपति जी, अगर 1 बज जाये तो 5–10 मिनट तक और मुझे बोलने दें, बीच में रोकने की कृपा न करें ।

श्री जगजीत सिंह आनन्द : फिर यही बात सब के लिए लागू होनी चाहिए । हम तो अपना हक मांग रहे हैं ।

श्री प्रभु सिंह : यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है । भाई यशपाल कपूर ने बड़े गुस्से में आकर कहा कि ये बातें इलेक्शन के लिए की जाती हैं । सभी पार्टियों के सदस्य यहां पर हैं । क्या यह सही नहीं है कि इलेक्शन के बाद भी सभी लोग हरिजनों से यह नही कहते कि तुम हमारे भाई हो और जातिवाद खत्म हो चुका है ? कोई ऐसा मेम्बर यहां पर नहीं है जो इस बात से इंकार कर सके । लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार की बातें हम यहां पर कहते हैं क्या उसी प्रकार की बातों पर फील्ड में भी अमल करते हैं ? अब समय आ गया है, जब इस देश का हरिजन चुप बैठने वाला नहीं है । इस बेइज्जती से हमें चैलेन्ज किया गया है । मैं समझता हूं कि यह बाबू जगजीवन राम जी की इज्जत का ही सवाल नहीं है, यह इस देश के करोड़ों शेड-यूल्ड कास्ट्स और शेड्यूल्ड ट्राइब्ज का सवाल बन गया है । जिन भाईयों को हरिजनों के साथ हमदर्दी है उनका मैं स्वागत करता हूं । मगर आज जो जोर से बोलते हैं तो क्या उन्होंने जो 15 तारीख का वाकिया हुआ है, उसके बारे में कुछ भी कहा ? दो हरिजन छात्र हास्पिटल में पड़े हुए है । उनको वहां जख्मी कर दिया गया है । कालेज स्टुडेंट्स के होस्टल में उनको लाठियों से पीटा गया और जो भाई इस बात से इंकार करते हैं कि यह उनकी संस्था का काम नहीं है—मैं नाम तो नहीं लूंगा, वह हमारे साथी रहे हैं और अभी भी दोस्त हैं मेरे—मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि उनकी संस्था ने क्या इसके खिलाफ जलसा किया कि हम इसका विरोध करते हैं । सब मेरी इस

बात को मानेंगे कि मैं बात ठीक कहता हूं। मैं इधर के भी अपने दोस्तों से कहता हूं कि सरकार के किस नेता ने वहां जाकर इस बात का विरोध किया और कहा कि आइन्दा अगर ऐसी कोई बात की जायेगी तो वह नाकाबिले बरदास्त होगी। इधर से मेरे कहने का मतलब जनता पार्टी से है। मैं जनता पार्टी का हूं। उधर से मेरा कहने का मतलब मेरे दोस्त समझते होंगे। तो आज हालत यह है कि किसी पार्टी ने भी उस मौके पर जाकर यह अफसोस प्रकट नहीं किया। यह देश के माथे पर जो कलंक है, जातिवाद का, छुआछूत का, ऊंच-नीच का, उसको मानने वाले जो लोग हैं, वह अब यह समझ लें कि इस देश की जनसंख्या का 25 प्रतिशत जो हरिजन हैं जो शेड्यूल कास्ट और शैड्यूल ट्राइब्स के लोग हैं, वह जागरूक हैं। यहां पर स्टेट होम मिनिस्टर साहब बैठे हुए हैं। मै होम मिनिस्टर साहब से कहूंगा कि हमारे दिल का दर्द शायद उनके दिल में भी है, मगर दवा सिर्फ उनके पास है। अगर मरीज के मरने के बाद होम मिनिस्टर साहब दवा करें, मलहम पट्टी करें तो...

श्री एन० पी० चौधरी (मध्य प्रदेश) : न दिल है, न दर्द है, न दवा है।

श्री प्रभु सिंह : मैंने पहले ही कहा था जनाब कि आपकी जो तारीफ है वह इधर गलत समझी जायेगी, और इधर की जो तारीफ है वह उधर गलत समझी जायेगी। इसीलिये मैंने कहा था कि इसे केवल सामाजिक समस्या माना जाये।

एक भाई इस विषय पर बोलना चाहते हैं। मैं होम मिनिस्टर साहब से कह दूं और भी मंत्री बैठे हैं, मेरे साथी हैं, बहुत बुद्धिमान हैं मैं तो अभी नया नया ट्रेनिंग में हूं, अन्डर ट्रेनिंग हूं....

श्री रणबीर सिंह : आप तो हरियाणा में मंत्री रहे हैं।

श्री प्रभु सिंह : मैं हरियाणा का मंत्री था, आपको यह कहने की जरूरत क्या थी? थोड़ी देर चुप रहते।

डिप्टी चेयरमैन साहब, एक बात मैं यहां पर इस हाउस में कहना चाहता हूं। हरिजनों के बारे में हम बहुत सारी बातें सुनते हैं, प्रचार बहुत सुनते हैं, इसका प्रचार हमने भी किया, अब भी करते हैं। जो नेता यहां पर हैं और सारे स्टेटस के चीफ मिनिस्टर और सरकारों से कहना चाहता हूं और बाकी अन्य पार्टियों के जो नेता यहां पर हैं, उनसे भी कहना चाहता हूं कि आप सब लोग अपने अपने हृदय को खोल लें, अपने दिल को टटोल लें और यदि अब किसी ने हरिजनों के साथ धोखाबाजी करके अपना मतलब निकालने की कोशिश की तो--चाहे वह कोई भी पार्टी हो--आज इस देश का हरिजन इसको बर्दाश्त नहीं करेगा।
एक शायर ने कहा है :

> जुबां कुछ और कहती है, शक्ल कुछ और कहती है,
>
> नक्ल कुछ और कहती है, मिसल कुछ और कहती है।

उपसभापति महोदय, यह हरिजनों के दिल के दर्द की दास्ताने गम अगर इस देश के नेता, इसके इतिहास को बदलना चाहते हैं तो इन हरिजनों को कलेजे से लगा लो। हरिजनों को ईश्वर तक पहुंचने दो। आज मन्दिर में भगवान को ताले में बन्द करके पंडित लोग घर चले जाते हैं। अरे, भगवान की चोरी जिस देश में होती हो, तो हम अपने आप को क्या कहें? उपसभापति महोदय, आप ने देखा होगा कि शाम के समय तमाम मन्दिरों में ताले लग जाते हैं। उनसे पूछो कि ऐसा क्यों करते हैं वे कहते हैं कि कोई

[श्री प्रभु सिंह]

मूर्ति चुरा ले जाएगा । भगवान की मूर्ति की चोरी होती है । भगवान के रखवाले बैठे हुए है । भगवान के दर्शन नहीं होने देते । क्या हम इस लायक भी नही है कि भगवान के दर्शन कर सके ? क्या फर्माया आपने । आखिर स्टेट मिनिस्टर है ?

एक माननीय सदस्य : आपकी बात पर हंसी आती है ..

श्री प्रभु सिंह : अगर मेरी बात हंसते हंसते सुनेंगे तो दिमाग की बात दिल में उत्तर जाएगी । गुस्से में सुनेंगे तो दिमाग की बात दिमाग से बाहर चली जाएगी । हंसते हंसते सुनने से दिमाग में बात जरूर रह जाएगी, दिल में उत्तर जाएगी ।

उपसभापति महोदय, यह जो वाराणसी का वाक्या है, यह कोई मामूली बात नहीं है । कोई बोल कर यह बताना चाहे कि मै बोलना चाहता हूं यह भी लीडरशिप नहीं है । यह बात तो एक बहुत ही गहरी बात है । इस देश में खतरे की बात है । इस के लिए बोलने के लिए मेरे बहुत से मित्र हैं इसलिए मै आप से रिक्वेस्ट करूंगा कि इस के लिए चार घंटे का समय बहस के लिए दिया जाए ताकि इस देश मे छूआछूत आप्रेशन के लिए कौन-कौन से सर्जन किस हथियार का इस्तेमाल कर रहे है उनको नौकरी से बाहर निकाला जा सके । मैं तो यह कहता हूं जो मंत्री छूआछूत के खिलाफ नहीं लड़ता उसको मंत्री पद से हटा दिया जाए । वह मंत्री मंत्री पद के लायक नहीं है । अगर कोई एम० पी० छूतछात के खिलाफ नहीं लड़ सकता वह एम० पी० अपने आप को एम० पी० कहलाने का हकदार नहीं है । चाहे बिहार हो, चाहे हरियाणा हो, मैं किसी पार्टी को नही कहता, मैं किसी प्रांत को नही कहता मै तो देश के नेताओं से कहता हूं, इस सरकार से कहता हूं कि यह एक शर्मनाक बात है और देश के माथे पर कलंक है । गांधी जी ने छूतछात से आजादी दी, खुदा के वास्ते उस आजादी को हमारे पास रहने दो, हम से यह आजादी न छीनो इन शब्दों के साथ, उपसभापति महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया । साथ ही साथ मैं यह भी आशा करता हूं कि आप इस विषय पर बहस के लिए अवश्य चार घंटे का समय देंगे । ऐसा मालूम होता है कि आपके दिल मे भी हरिजनों के लिए दर्द है । जय हिन्द ।

श्री उपसभापति : श्री तालिब वह जो आपको दूसरा मैंशन है उसी पर बोलिए ।

श्री प्यारे लाल कुरील उर्फ प्यारे लाल तालिब : यह तो आपने खत्म कर दिया । इस पर मैं भी बोलना चाहता था ।

श्री उपसभापति : जी नही । इसमें केवल दो नाम आए थे ।

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: Before the proceedings started, I went to the Chairman and found out that I was the third on the same subject.

श्री सुलतान सिंह : . हमारे जनरलसेक्रेटरी सरदार बूटा सिंह ने कन्डेम्न किया ....

(Interruptions)

श्री उपसभापति : इस पर बहस नही होगी.... *(Interruptions* ... और भी विषय है इस पर चर्चा खत्म कीजिए, आप अपने विषय पर आईये ।

REFERENCE TO ALLEGED ATROCITIES ON HARIJANS, ADIVASIS, ETC.

SHRI PIARE LALL KUREEL *urf* PIARE LALL TALIB (Uttar Pradesh): Sir, I thank you for giving me an opportunity of raising a matter of urgent public importance in the House. It is the beating up and burn-